

## 千年的孤寂

1 = F  $\frac{4}{4}$   
 ♩ = 79

演唱：张守振

张 守 振 作词  
 张 书 姚 作曲  
 桃李醉春风 记谱

( 1 2 | 3 3 2 3 - | #4 3 2 6̣ - | 1 2 5̣ 6̣ 1 2 3 5 | 3 - - 3 5 ||: #4 - 3. 2 |

3 6̣ - 3 5 | #4 - 3. 2 | 3 - - 3 5 | 6 - 7. 6̣ | 7 5 - 7 1 | 2 5 - 1 7 |

6̣ - - - | 6̣ - - ) 1 2 | 3 3 2 3 0 3 | #4 4 2 1 6̣ 7 | 1 1. 1 2 1 |

琵琶声到如今，依然在响起，穿越千年的寻

3 - - 3 5 | #4 4 2 2 2 | 3 6̣ 7 1 0 6̣ | 7 7 1 2. 1 | 7 - 0 0 |

觅，这一声声叹息，有多少哀愁，天涯漂泊心泪流。

0 0 0 1 2 | 3 3 2 3 0 3 | #4. 2 1 0 6̣ 7 | 1. 3 3 2. | 3 - - 3 5 |

琵琶清脆响起，信手低眉弹尽心中事，欢笑

#4 4 2 2 6̣ | 2 3 1 1 0 | 7 7. 2. 5̣ | 5̣ 6̣ 6̣ - 0 | 0 0 0 3 5 |

已成昨天的记忆，记忆的记忆。人间

6 6 0 5 6̣ | 3 - - 1 1 | 2 2. 6̣. 2 | <sup>2</sup>3 - - 3 5 | #4 4 2 6̣ | 3. 1 1 6̣ 7 |

何事长别离，眼里分明有泪痕，人间无处相思，分明

1 1 2. 5̣ | 6̣ - - 3 5 | 6 6 0 7 6̣ | 7. 3 3 1 1 | 2 2 0 2 2 3 |

眼里有泪滴。红颜已老空自悲戚，独自叹息独自叹

3 - - 3 5 | #4 - 2. 6̣ | <sup>1.</sup>1 6̣ 6̣ - - | 0 0 0 ( 3 5 :|| <sup>2.</sup>1 6̣ 6̣ - - | 0 0 0 3 5 |

息，弹尽千年的孤寂。孤寂。独自

#4 4 - 3 4 | 3 6̣ - 7 1 | 2 2. 3 - | 3 - 0 6̣ 1 | 6̣ - - - ||

叹息独自叹息，弹尽千年的孤寂。